MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - III

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 100**

विभाग 1 - गद्य

उ. 1. (क) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(8)**

(1) (i) **समझकर लिखिए** **1**

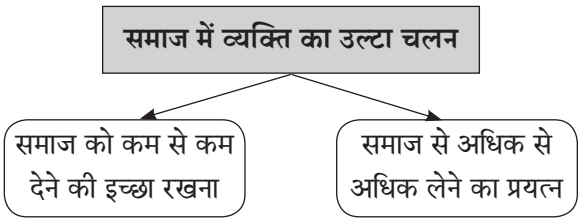

(ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

(2) (i) **निम्नलिखित वाक्य सत्य है या असत्य लिखिए।** **1**

(1) असत्य (2) सत्य

(ii) **समझकर लिखिए** **1**

(1) आर्थिक व सामाजिक विषमता

(2) शोषण व अशांति को

(3) (i) (1) हाथ-पैर (2) कम-से-कम (3) अधिक-से-अधिक **1**

(ii) **गद्यांश से ढूँढ़कर विलोम शब्द की जोड़ी लिखिए।** **1**

(1) अधिक × कम (2) अत्यधिक × अल्पतम

(4) आर्थिक विषमता दूर करने के लिए देश के सभी लोगों को एकत्रित होना पड़ेगा। सबसे पहले देश के सभी धनिकों को एकत्रित होकर आर्थिक विकास के लिए रचनात्मक कार्य हाथ में लेने होंगे। देश की **2**

आम जनता को रोजगार मिलें इसके लिए कार्य करना पड़ेगा। देश में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को पूरी ईमानदारी से अपना कर प्रतिवर्ष सरकारी दफ्तरों में जमा करना पड़ेगा। धनिकों का कर्तव्य है कि वे अपने देश में निवेश करें; ताकि इससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके। जिन-जिन रईस लोगों ने अपना धन विदेशी बैंकों में जमा किया है, उन्हें वह सारा धन अपने देश में लाकर बैंकों में जमा करना चाहिए। सभी को श्रम करके मेहनत से पैसा कमाना चाहिए। काले धन व रिश्वत लेने से और देने से सभी को पुरजोर विरोध करना चाहिए। इन प्रयत्नों से विषमता दूर हो सकती है।

उ. 1. (ख) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(8)**

(1) (i) कारण लिखिए।

(1) क्योंकि वे तारों के नक्शे बनाना चाहते हैं। ½

(2) क्योंकि उनकी तरफ ध्यान देने की उनकी इच्छा नहीं होती । ½

(ii) उपर्युक्त गद्यांश से ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों -

(1) लेखक ने रैहाना के लिए किस विशेषण शब्द का प्रयोग किया है? ½

(2) हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए कौन-सी भाषा सीखनी आवश्यक है? ½

(2) (i) समझकर लिखिए।

(1) चार बार ½

(2) हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए उर्दू भाषा सीखनी अत्यावश्यक है। ½

(ii) कृति पूर्ण कीजिए। **1**

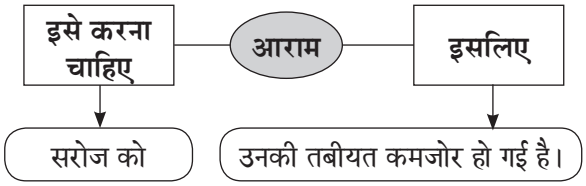

(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ गद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए। **2**

(1) चाह - इच्छा (2) पूजनीय - पूज्य (3) खत - पत्र (4) स्वास्थ्य - तबीयत

(4) पत्र-लेखन एक कला है। पत्रों का हमारे जीवन में सदैव महत्त्वपूर्ण स्थान बना रहेगा। कई महापुरुषों द्‌वारा लिखे गए पत्रों से हमें कई प्रकार की जानकारी प्राप्त होती है। महापुरुषों द्‌वारा लिखे गए पत्रों में अनुभवों का भण्डार भरा हुआ होता है। ऐसे पत्र हमारे पथ-प्रदर्शक होते हैं। रिश्तेदार एवं मित्रों को लिखे गए पत्रों में एक अपनापन होता है; मिठास होती है। व्यक्ति पत्र लिखते समय अपने मन के भावों को भी उसमें उतारता है। पत्र दो व्यक्तियों को भावात्मक दृष्टि से बाँध देते हैं। कहा भी गया है, पत्र किसी भी भाषा में लिखा जाए, उसमें छिपा प्रेम एक होता है । इसलिए हर व्यक्ति पत्रों को सँभाल कर रखता है। यदि व्यक्ति अपनेपन व प्रेम की भावना को बनाए और संजोए रखना चाहता है, तो उसे पत्र लिखने का सिलसिला सदैव जारी रखना चाहिए। **2**

उ.1. (ग) अपठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

(1) कृति पूर्ण कीजिए।

(i)

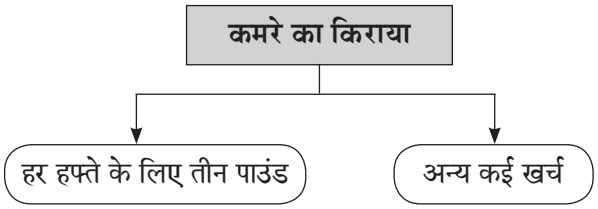

1

(ii)

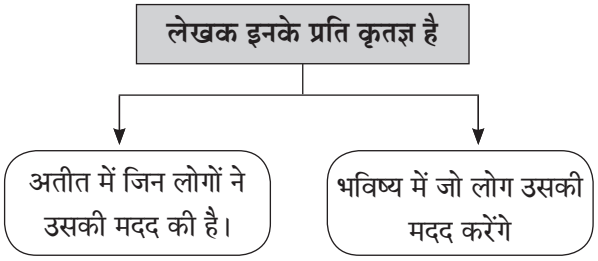

1

(2) उत्तर लिखिए। **2**

(i) इंग्लैंड

(ii) अपना कर्तव्य

(iii) सब कुछ के लिए उन्हें अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है और उनकी आमदनी कम है।

(iv) आत्मरक्षा

(3) लिंग पहचानकर लिखिए। **2**

(i) जेब - स्त्रीलिंग (ii) साहित्य - पुल्लिंग

(ii) दावा - पुल्लिंग (iv) सेवा - स्त्रीलिंग

(4) 'कृतज्ञता' का अर्थ है कृतज्ञ होने का भाव। यह एक महान गुण है। यह मनुष्य का एक ऐसा आभूषण है, जिसे धारण करने से हमारा भी भला होता है और दूसरों को भी प्रेरणा मिलती है। जब कोई व्यक्ति हमारे लिए कुछ करता है, तो उसके प्रति हमें कृतज्ञ होना चाहिए। ईश्वर ने हमें सब कुछ दे दिया है, अत: हमें उसके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। हम अपने प्रति कभी भी और किसी भी रूप में की गई सहायता के लिए आभार प्रकट करते हैं और कहते हैं कि 'हम आपके प्रति कृतज्ञ हैं और इसके बदले में जब भी अवसर आएगा, अवश्य ही सेवा करेंगे।' इसलिए कहा गया है कि 'कृतज्ञता मनुष्य की अनमोल निधि है।' **2**

विभाग 2 - पद्य

उ. 2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

(1) (i) तालिका पूर्ण कीजिए। **1**

इन्हें	यह कहा है
* वेद पाठ करने वाले छात्रों के समुदाय को	बटु समुदाय
भक्त को	**साधक**

	(ii) **उचित जोड़ियाँ मिलाइए।** (i - क), (ii - ख)	**1**
(2)	(i) **सही या गलत पहचानकर गलत वाक्य को सही करके फिर से लिखिए।** (1) पाखंड के प्रचार से सद्ग्रंथ लुप्त हो जाते हैं। (2) रात के घने अंधकार में जुगनुओं का सौंदर्य अधिक आकर्षक दिखता है।	**1**
	(ii) **वाक्य पूर्ण कीजिए।** (1) सुराज्य में दुष्टों की **एक भी नहीं चलती है।** (2) क्रोध का आवेश होने पर **धर्म का ज्ञान नहीं रह जाता।**	**1**
(3)	**निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** श्री राम लक्ष्मण से कहते हैं, ''हे अनुज, जैसे पाखंड के प्रचार से सद्ग्रंथ लुप्त हो जाते हैं वैसे ही वर्षा ऋतु में धरती घास से पूर्णत: ढँककर लुप्त हो गई है अर्थात हरी-भरी हो गई है, जिससे रास्ते समझ में नहीं आ रहे हैं।''	**2**
उ.2.	**(छ) निम्न मुद्दों के आधार पर निम्न कविता का पद्य विश्लेषण कीजिए:**	**(6)**
(i)	**अपनी गंध नही बेचूँगा**	
	(1) **रचनाकार का नाम -** बालकवि बैरागी	**1**
	(2) **रचना का प्रकार -** गीत	**1**
	(3) **पसंदीदा पंक्ति -** बिकने से बेहतर मर जाऊँ अपनी माटी में झर जाऊँ मन ने तन पर लगा दिया जो वो प्रतिबंध नहीं बेचूँगा।	**1**
	(4) **पसंदीदा होने का कारण -** उपर्युक्त पंक्ति में फूल अपने स्वाभिमान और सम्मान के लिए मर जाना और मरकर मिट्टी में झर जाना अधिक पसंद करता है। वह इस निर्णय पर किसी भी कीमत पर अडिग रहना चाहता है। यदि व्यक्ति में सम्मान और स्वाभिमान की भावना न हो तो उसका जीवन निरर्थक होता है।	**2**
	(5) **कविता से प्राप्त संदेश या प्रेरणा -** स्वाभिमान ही जीवन है। स्वाभिमान के बिना जीवन निरर्थक होता है। स्वाभिमान से व्यक्ति की सम्मान व प्रतिष्ठा बनी रहती है।	**1**
	अथवा	
(ii)	**कृषक गान**	
	(1) **रचनाकार कवि का नाम -** कवि दिनेश भारद्वाज	**1**
	(2) **रचना का प्रकार -** आधुनिक सामाजिक काव्य	**1**
	(3) **पसंदीदा पंक्ति -** क्षीण निज बलहीन तन को, पत्तियों से पालता जो, ऊसरों को खून से निज, उर्वरा कर डालता जो, (विद्यार्थी अपनी पसंदीदा काव्य पंक्ति लिख सकते हैं।)	**1**

	(4) **पसंदीदा होने का कारण -** उपर्युक्त पंक्ति में किसान की दुर्दशा का वर्णन किया गया है। परिस्थिति प्रतिकूल होने के बावजूद भी किसान कड़ी मेहनत करता है और बंजर जमीन को उपजाऊ बनाता है। अर्थात प्रतिकूल परिस्थिति में भी वह हिम्मत नहीं हारता बल्कि संघर्ष करता रहता है। इसलिए यह पंक्ति मुझे बेहद पसंद है।	**2**
	(5) **रचना से प्राप्त प्रेरणा -** किसान हमारे देश का अन्नदाता है, परंतु आज वह जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। हमारा यह कर्तव्य है कि हम सब भारतीय एकत्रित होकर किसान को उसका खोया सम्मान एवं प्रतिष्ठा स्थापित करके रचनात्मकता की ओर एक अभियान चलाएँ।	**1**
(iii)	**समता की ओर**	
	(1) **कविता के कवि/रचनाकार का नाम** : कवि मुकुटधर पांडेय	**1**
	(2) **काव्य प्रकार** : छायावादी काव्य	**1**
	(3) **पसंदीदा पंक्ति** : हमको भाई का करना उपकार नहीं क्या होगा, भाई पर भाई का कुछ अधिकार नहीं क्या होगा।	**1**
	(4) **पसंदीदा होने का कारण** : प्रस्तुत पंक्तियाँ समाज में अमीर भाइयों को गरीब भाइयों की भलाई के बारे में विचार करने के लिए प्रवृत्त करती है। इन पंक्तियों में समाज से अमीरी-गरीबी का भेदभाव दूर करके समता स्थापित करने की बात बताई गई है। इसलिए प्रस्तुत पंक्तियाँ मुझे बेहद पसंद हैं।	**2**
	(5) कविता से प्राप्त संदेश : विश्व-बंधुत्व जैसी मानवीय भावना को अपनाकर एक-दूसरे के साथ बंधुत्व का व्यवहार करना।	**1**
उ.**2.**	**(ज) अपठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	**(6)**
(1)	**आकृति पूर्ण कीजिए।**	**2**
	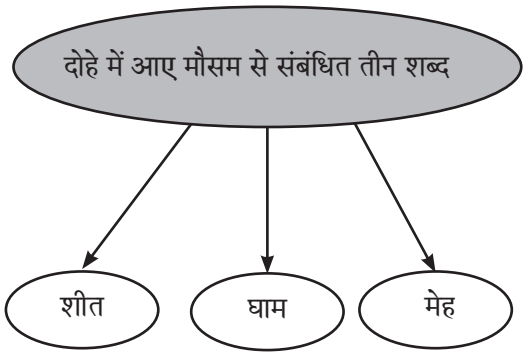	
(2)	**(i) दोहे में प्रयुक्त समानार्थक शब्द लिखिए।** (1) शरीर - देह (2) पृथ्वी - धरती	**1**
	(ii) विलोम शब्द लिखिए। (1) धरती × आकाश (2) शीत × गर्मी	**1**

(3) **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

रहीम जी सहनशीलता का संदेश देते हुए कहते हैं कि इस मानव शरीर को सुख हो या दुख जैसा भी पड़े वह सहते रहना चाहिए। जैसे कि धरती पर ठंडी, गर्मी और बरसात पड़ती है जिसे वह सहन करती रहती है।

विभाग 3 - पूरक पठन

उ.3. **(अ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।** **(4)**

(1) **कारण लिखिए।**

(i)

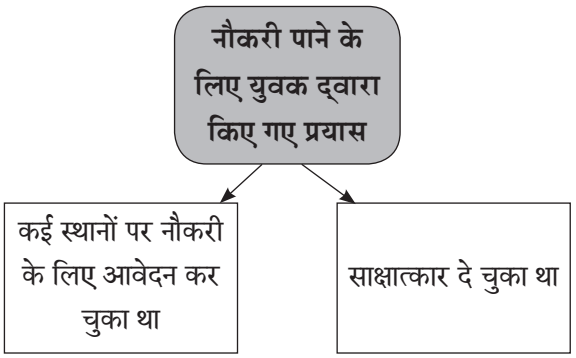

1

(ii)

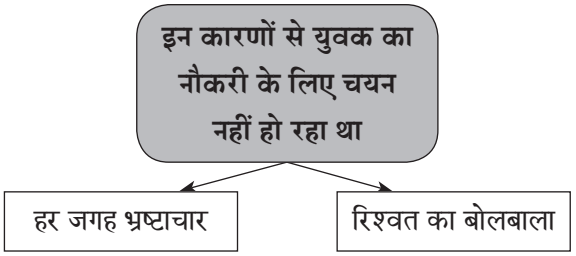

(2) भ्रष्टाचार समाज के लिए अभिशाप है। यह भयंकर बीमारी के समान समाज में अपनी गहरी जड़ें जमा रहा है। भ्रष्टाचार आज मनुष्य की सद्बुद्धि, विवेक और इंसानियत को नष्ट कर रहा है। चोरी, बेईमानी, घोटाला, शोषण, अनैतिक आचरण, अराजकता भ्रष्टाचार के विविध रूप हैं। विकसित और विकासशील दोनों ही देशों में भ्रष्टाचार व्याप्त है। खेल, राजनीति, शिक्षा, व्यापार, सरकार और आम-जनजीवन पर इसका दुष्प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। समाज में समानता के लिए भ्रष्टाचार को संपूर्ण रूप से नष्ट करना नितांत आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान होकर भ्रष्टाचार मुक्त समाज का निर्माण करना चाहिए। **2**

उ.3. **(आ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **(4)**

(1) **(i) सही या गलत पहचानकर गलत वाक्य को सही करके फिर से लिखिए।** **1**

(1) गलत, झगड़ने से बातें और उलझ जाती हैं।

(2) सही ।ओ

(ii) निम्नलिखित अर्थ को स्पष्ट करने वाली पंक्तियाँ लिखिए। **1**

(1) आपको गुस्सा नहीं करना चाहिए।

(2) बस बात पते की इतनी है, ध्रुव या रजिया भारत माँ के।

(2) स्त्री व पुरुष एक समान होते हैं। कोई एक-दूसरे से बड़ा या छोटा नहीं होता। समाज को चलाने का कार्य उनके द्वारा ही होता है। यदि उन दोनों में से किसी एक की कमी हो, तो समाज व देश नहीं चल सकता है। दोनों एक-दूसरे के कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं। आज हर एक क्षेत्र में पुरुष के साथ स्त्री भी कार्य करती दिखाई दे रही है। दोनों मिलकर भारत देश के विकास के लिए कार्य करते हैं। दोनों की समाज में अपनी अहमियत होती है। दोनों का अस्तित्व समाज व देश के लिए अत्यावश्यक होता है। परिवार भी दोनों के आपसी सांमजस्य व सहयोग से ही चलता है। इसलिए कहा गया है स्त्री व पुरुष समाज के प्रमुख अंग है। **2**

विभाग 4 - व्याकरण

उ.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(18)**

(1) (i) **निम्नलिखित वाक्य में आए हुए संज्ञा शब्दों को रेखांकित करके उनके भेद लिखिए।** **1**

गोवा : व्यक्तिवाचक संज्ञा **तरंगायित** : भाववाचक संज्ञा

(ii) **निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों में उचित सर्वनाम का प्रयोग कीजिए।** **1**

<u>वे</u> कारखाने में एक ही विभाग में काम करते थे।

(2) (i) **निम्नलिखित वाक्य में से अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए।** **1**

के सामने : संबंधसूचक अव्यय

(ii) **नम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** **1**

और : समुच्चयबोधक अव्यय

वाक्य : राम <u>और</u> श्याम अच्छे दोस्त हैं।

(3) **कालपरिवर्तन कीजिए।**

(i) उन्होंने बाजार से नई पुस्तक खरीदी थीं। **1**

(ii) वे पुस्तक शांति से पढ़ रहे थे। **1**

(4) **तालिका पूर्ण लिखिए ।** **2**

संधि	संधि-विच्छेद	भेद
सुर्यास्त	सूर्य + अस्त	स्वर संधि
दुर्लभ	दु: + लभ	विसर्ग संधि

(5) (i) **अर्थ के आधार पर निम्न वाक्य के भेद पहचानिए।** **1**

प्रश्नार्थक वाक्य

(ii) **सूचना के अनुसार निम्न वाक्य का प्रकार बदलिए** **1**

<u>ओह!</u> गाय ने दूध देना बंद कर दिया।

(6) (i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए।** **1**

जेब ढीली होना : पैसे खत्म होना

वाक्य: पाँच बच्चों को मेले में घुमाकर लाने के बाद रघू की **<u>जेब ढीली हो गई</u>**।

(ii) **निम्न वाक्य में अधोरेखांकित शब्द समूह के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए।** **1**

पंडित बुद्धिराम काकी को देखते ही <u>तिलमिला गए।</u>

(7) **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए।**

(i) डॉ. महादेव साह ने बाजार से नई पुस्तक खरीदी। **1**

(ii) लेखक गोवा गए और उनके साथ साढू साहब भी थे। **1**

(8) **निम्न वाक्य में से मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए।** **1**

मुख्य क्रिया - करना सहायक क्रिया - पड़ा (पड़ना)

(9) **निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए।** **1**

अ.क्र	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
(i)	दौड़ना	दौड़ाना	दौड़वाना
(ii)	देखना	दिखाना	दिखवाना

(10) **निम्नलिखित वाक्य में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कर वाक्य पुन: लिखिए।** **1**

केवल टीका, नथुनी और बिछिया रख लिए थे।

(11) **निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित कारक चिह्नों से कीजिए और कारक का नाम लिखिए।** **1**

बस <u>द्वारा</u> गोवा घूमने की योजना बनाई।

द्वारा - करण कारक

विभाग 5 - रचना विभाग **(32)**

उ.5. **5**

(i) दिनांक : १ मार्च, २०१८

सेवा में,

व्यवस्थापक

आयुर्वेदिक औषधि भंडार,

नागपुर।

विषय : <u>आयुर्वेदिक औषधि की माँग हेतु निवेदन पत्र ।</u>

माननीय महोदय,

मैं विजय मोहिते समय-समय पर आपसे आयुर्वेदिक औषधियाँ मँगवाता आ रहा हूँ। उन औषधियों के सेवन से मुझे बहुत आराम मिला है। अत: इस बार भी मुझे निम्न आयुर्वेदिक औषधियों की आवश्यकता है।

आयुर्वेदिक औषधि	मात्रा
झण्डू च्यवनप्राश	५०० ग्राम के दो डिब्बे
झण्डू पाचक रस	५०० मिली ली. की तीन शीशी
हिमालय पीड़ाहारी बाम	५० ग्राम की दो शीशियाँ
हिमालय तेज कांति चूर्ण	५०० ग्राम की तीन बोतलें
हिमालय शक्तिवर्धक रस	५०० मिली ली. की चार बोतलें
द्राक्षासव	५०० मिली ली. की चार बोतलें
कायम चूर्ण	५०० ग्राम की दो बोतलें

कृपा करके उपर्युक्त औषधियाँ जल्द-से-जल्द कुरिअर द्वारा भेजने की व्यवस्था करें। जैसे ही औषधियाँ प्राप्त हो जाएँगी वैसे ही बकाया रकम आपके पास भेज दी जाएगी। अग्रिम राशि के तौर पर १००० रूपए का पोस्टल ऑर्डर भेज रहा हूँ। आशा है कि आप जल्द-से-जल्द औषधियाँ भेजेंगे।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ।

धन्यवाद!

भवदीय,

विजय मोहिते।

प्रेषक

विजय मोहिते

वरदा सोसायटी,

विजयनगर,

जालना।

ई-मेल आईडी : vijay123@gmail.com

अथवा

(ii) १० मई, २०१८

प्रिय मित्र राम,

सप्रेम नमस्ते।

कल ही मैंने समाचार पत्र में पढ़ा कि तुम्हें वक्तृत्व प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला है। यह बहुत ही गर्व की बात है इसलिए तुम्हारा अभिनंदन करने के लिए मैं यह पत्र लिख रहा हूँ। राम तुम बचपन से ही भाषण-कला में निपुण रहे हो। तुम्हारे पास किसी भी विषय पर खुलकर बात करने का कौशल है। तुम वाचन-कौशल में भी निपुण हो। इसी कारण किसी भी विषय पर तुम अपने विचार व्यक्त कर सकते हो। मेरे परिवार वालों ने भी तुम्हारा अभिनंदन किया है।

राम तुम मेरे मित्र हो, इस बात का मुझे बहुत गर्व है। जल्द ही छुट्टियाँ शुरू होने वाली हैं, तब मैं तुमसे भाषण कला के कौशल सीखने वाला हूँ। आशा करता हूँ कि तुम छुट्टियों में मेरे घर अवश्य आओगे।

तुम्हारा प्रिय मित्र,

कुमार राजेश मेहता
२०२, हरि निवास, गांधी नगर,
मुंबई - ४०० १०४ ।
ई-मेल आई डी : rajesh45@gmail.com

(2) (i) किन बातों को देखकर मित्रता की जाती है ? **5**
(ii) हमारे और मित्र के बीच क्या होनी चाहिए ?
(iii) मित्र किसे नहीं कहना चाहिए ?
(iv) सच्चा मित्र कैसा होता है ?
(v) मित्रता के लिए क्या आवश्यक नहीं है ?

उ.**6**.

(1) **वृत्तांत लेखन ।** **5**

हिंदी दिवस का वृत्तांत

दिनांक १५ सितंबर, २०१८ : मुंबई : इस दिन भारती विद्यालय, मुंबई में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया था। प्रमुख अतिथि के रूप में हिंदी भाषा की सुप्रसिद्ध लेखिका श्रीमती वीणा चौधरी जी कार्यक्रम में उपस्थित थीं। सुबह ठीक १०:०० बजे कार्यक्रम की शुरुआत हई। विद्यालय के विद्यार्थी प्रमुख शैलेश कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्य अतिथि महोदया जी का स्वागत किया। स्कूल की प्राचार्या श्रीमती विमला जी ने हिंदी दिवस का महत्त्व बताया। उन्होंने 'आज हिंदी भारत के हर क्षेत्र में ही नहीं, अपितु विदेशों में भी बोली व जानी जाती है' इस विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यालय में हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता, हिन्दी भाषण-प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया था। विद्यालय के कुछ छात्रों ने नृत्य व नाटिका का रँगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर इस दिन की शोभा में चार-चाँद लगा दिए। कक्षा दसवीं के एक छात्र ने अपने प्रभावपूर्ण भाषण में 'हिन्दी दिवस' के अवसर पर सभी का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद किया। सुबह १२ बजे कार्यक्रम का समापन हुआ।

(2) **निम्न मुद्दों के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए।** **5**

(3) **'परहित सरिस धर्म नहिं भाई'** **5**

रामू एक छोटा बच्चा था। वह बड़ा ही प्यारा था। उसे पशु-पक्षियों से अपार प्रेम था। उसके पास कुत्ता व बिल्ली थी। वह उनका बहुत ही अच्छे से ख्याल रखता था। उसके घर के आँगन में आम का एक पेड़ था। उस पर कई पक्षी रहते थे। रामू के कक्ष में एक अलमारी थी, उस पर एक खग दंपत्ति ने अपना घोंसला भी बनाया था। रामू उन्हें पर्याप्त मात्रा में खाने के लिए अनाज के दाने देता था। उसी पेड़ पर एक गिलहरी भी रहती थी। उसके शरीर पर झब्बेदार बाल थे। वह बहुत ही सुंदर दिखती थी। गिलहरी पेड़ से नीचे उतरकर आँगन में आती व पक्षियों के साथ अनाज के दाने बड़े मजे से खाती थी।

एक दिन राजू की मम्मी ने चावल के पापड़ बनाकर घर के आँगन में सूखने के लिए रखे थे। काजू एवं चावल के पापड़ गिलहरी का स्वादिष्ट व्यंजन होता है। इस बात का पता राजू को नहीं था। जैसे ही गिलहरी ने चावल के पापड़ देखे, वैसे ही वह उन्हें खाने के लिए आँगन में आई। वह पापड़ों को बड़े ही प्यार से कुतर-कुतरकर खा रही थी। राजू के बड़े भाई ने जैसे ही गिलहरी को पापड़ खाते हुए देखा, तो वह बहुत क्रोधित हुआ और गिलहरी को मारने के लिए तपाक से आगे आया। राजू भी वहीं पर उपस्थित था। उसे अपने बड़े भाई का यह आचरण अच्छा नहीं लगा। उसने अपने भाई को ऐसा करने से रोका। फिर भी, उसका भाई नहीं माना। वह गिलहरी को लाठी से मारने ही वाला था, तब राजू ने बड़े भाई के हाथ से लाठी छीन ली। बड़े भैया को राजू की उद्दंडता रास नहीं आई। वह गिलहरी को छोड़कर राजू पर ही बरसने लगा। इतने में राजू की दादी वहाँ पर आई और उसने राजू के बड़े भाई को समझाते हुए कहा, ''पशु-पक्षियों पर दया करना एवं उनका संरक्षण करना प्रत्येक मानव का कर्तव्य होता है।''

दादी की बात सुनकर बड़े भाई का गुस्सा शांत हो गया और वह भी राजू के साथ गिलहरी को बड़े प्यार से चावल के पापड़ खाते हुए देखने लगा...।

(4) (i) **जल है तो कल है।** **7**

जल ही जीवन है। जल मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग है। अन्न के बिना व्यक्ति १५ से ३० दिनों तक जीवित रह सकता है लेकिन जल के बिना व्यक्ति ३ से ४ दिन से ज्यादा जीवित नहीं रह सकता।

जल के बिना धरती पर मानवीय जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

प्रकृति एवं प्राणियों को भी जीवन जीने के लिए जल की आवश्यकता होती है। खेती, उद्योग आदि के लिए भी जल की आवश्यकता होती है। घर बनाने से लेकर मोटर गाड़ी चलाने तक सभी चीजों में जल की आवश्यक होती है। वर्तमान युग में जनसंख्या वृद्धि बहुत तेज गति से हो रही है। धरती पर प्रदूषण बढ़ रहा है। जल के प्राकृतिक स्त्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। पानी की मात्रा में कमी हो रही है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो एक दिन लोगों को पीने के लिए पानी भी नहीं मिलेगा। इससे लोगों का जीवन संकट में पड़ जाएगा। देश के कई भागों में ठीक से वर्षा नहीं हो रही है। इस कारण अकाल की स्थिति निर्माण होती है। ऐसे में खेती के लिए जरूरी पानी नहीं मिल पाता और इससे फसल की उपज काफी कम होती है। इस कारण अनाज के दामों में वृद्धि हो रही है।

जल है तो कल है। जल के कारण लोग घर का सारा काम कर सकते हैं। खाना बना सकते हैं और कपड़े धो सकते हैं। स्नान कर सकते हैं और पेड़-पौधों को पानी दे सकते हैं। अगर जल को यूँ ही बर्बाद किया गया तो वह दिन दूर नहीं है जब पीने के पानी के लिए लोग आपस में लड़ेंगे। यदि पानी की कमी हुई तो वह काफी महँगे दामों में बिकेगा।

ध्यान रहे कि जल व्यक्ति-जीवन के प्रत्येक पल में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए उसकी बचत करना बहुत ही आवश्यक है।

(ii) **मेरा प्रिय खिलाड़ी** **7**

भारत खिलाड़ियों का देश है। मेजर ध्यानचंद, सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, कपिल देव, महेंद्र सिंह धोनी व विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों ने देश का नाम विश्व खेल में प्रसिद्ध किया है। ये सारे खिलाड़ी मुझे प्रिय हैं। फिर भी मेरा सबसे प्रिय पसंदीदा खिलाड़ी है सचिन तेंदुलकर। सचिन क्रिकेट की शान व भारत की जान है।

सचिन तेंदुलकर का जन्म २४ अप्रैल १९७३ में हुआ था। सचिन का जन्म राजापुर के मराठी ब्राह्मण परिवार में हुआ। उनके बड़े भाई अजीत ने उन्हें क्रिकेट खेलने के लिए प्रोत्साहित किया था। सचिन जब मुंबई के शारदाश्रम विद्यामंदिर में पढ़ाई कर रहे थे, तब वहीं पर प्रशिक्षक रमाकांत अचरेकर के सान्निध्य में उन्होंने अपने क्रिकेट जीवन की शुरुआत की।

सन १९८९ में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के पश्चात उन्होंने बल्लेबाजी में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने टेस्ट व एकदिवसीय मैच में सर्वाधिक शतक बनाए हैं। वह टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इतना ही नहीं, वह टेस्ट मैच में १४००० से अधिक रन बनाने वाले विश्व के एकमात्र खिलाड़ी हैं। आज वह क्रिकेट के इतिहास में विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में गिने जाते हैं।

सचिन तेंदुलकर को अनेक पुरस्कार मिले हैं। 'राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार' से सम्मानित एकमात्र क्रिकेट खिलाड़ी हैं। सन २००८ में वे पद्म विभूषण से भी पुरस्कृत किए जा चुके हैं। भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित होने वाले वह सर्वप्रथम खिलाड़ी और सबसे कम उम्र के व्यक्ति हैं। भारत सरकार ने सचिन को यह सम्मान देने के लिए नियमों में बदलाव तक किया। सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट का भगवान माना जाता है।

वर्तमान में सचिन महाराष्ट्र के सांसद हैं। वे समाजसेवा भी करते हैं। उन्होंने कई गरीब बच्चों को पढ़ाने का जिम्मा भी लिया है। वे बहुत ही प्रिय व मृदुवाणी से सबसे बातें करते हैं। इसलिए सचिन तेंदुलकर मेरे प्रिय खिलाड़ी हैं।

❖❖❖